

राज्य उच्च माध्यमिक विद्यालय खोखी (डीडवाना - कुचामन)  
नाम - कौमल  
कक्षा - 10th  
दिनांक - 19/9/2024

44  
50


विषय - स्वच्छ भारत \* स्वस्थ भारत

1. प्रस्तावना - स्वच्छ भारत में मनुष्य का बहुत बड़ा योगदान है। स्वच्छता का अर्थ है। साफ सफाई से बिमारियाँ नहीं होती हैं।  
स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान को 1947 को मानक यूरो का संगठन किया गया।  
सन् 1978 को मानक यूरो लागू किया।  
स्वच्छ भारत बनाने में मानक भारतीय मानक क्लब यूरो (BIS) का बहुत योगदान है।  
(BIS) भारतीय मानक यूरो एक संगठन है।  
भारतीय मानक यूरो खाद्य उत्पादन, शक्ति, शीना चाँदी आदि का उत्पादन करता है।

2. स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत बनाने में भारतीय मानक यूरो का योगदान - स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत बनाने में मानक यूरो का बहुत योगदान है।  
स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर 2014 को हुई। महात्मा गाँधी जयंती के दिन स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने नई दिल्ली के गल्ली - सड़को गली - मोहल्लो में झंडा लगाकर की थी।



महात्मा गांधी जी का कहना था कि साफ-सफाई हमें  
 कर्तव्य है। हमें गैरगंधी नदी फैलानी चाहिए कचरा  
 में ही डालना चाहिए।  
 स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत में मानक क्लब ब्यूरी का  
 बहुत योगदान है। जैसे - ~~स्व~~ खाद्य उत्पादन -  
 क्रूरकुरे बिस्कुट, पैकिंग ड्रिंकिंग वाटर, ठंडा की बोट  
 चाय, कॉफी आदि।

GI 14543-2013 प्रिकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर है। इसमें  
 शुद्ध पानी आता है। इनका निश्चित GI मार्क  
 होता है। प्रत्येक चीज का निश्चित GI  
 मार्क होता है। जैसे - सोना - पाँदी पर GI मार्क।   
 सोने पर डॉलमार्क, थ्रुमिक नंबर, कैरेट cm/L  
 शुद्ध सोना 24K कैरेट का होता है।  
 सोना तीन प्रकार का होता है। 18K, 22K, 24K  
 सोने पर डॉलमार्क का निशान, GI मार्क,  
 कैरेट, थ्रुमिक नंबर यह तीनों चीजें तो  
 सोना शुद्ध कर है वरना सोना शुद्ध नहीं है।  
 सोना नकली होता है तो हम उसकी  
 शिकायत कर सकते हैं। हम सोने की शुद्धता  
 इन तीनों मार्कों से पता लगा सकते हैं।

3. स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का लाभ हमें साफ-सफाई  
 रहेगी तो बीमारियाँ नहीं फैलेंगी अगर  
 साफ सफाई नहीं रहेगी तो कई बीमारियाँ  
 होगी उससे हम बीमार पड़ सकते हैं।  
 कई जानवरी की बीमारियाँ  
 में पड़ सकता है।

- सफाई से कोई बीमारी नहीं फैलती है।  
 शरीर तरल की साफ सफाई होती है -  
 वैचारिक, शारीरिक साफ - सफाई है।  
 वैचारिक साफ - सफाई यानि अपनी सोच  
 बदलना अच्छी सोच रखना चाहिए  
 दूसरे दूसरा शारीरिक साफ - सफाई में अपने  
 शरीर की साफ - सफाई व गली - मीटल्लो और  
 सड़कों की साफ - सफाई आती है।  
 अगर व्यक्ति स्वस्थ रहेगा तो आ देश  
 स्वस्थ रहेगा।  
 देश स्वस्थ रहेगा तो आगे तरक्की करेगा  
 हमें कम से कम हफ्ते में 2 घंटे  
 सफाई करनी चाहिए। यानि वर्ष में  
 100 घंटे सफाई करनी चाहिए। हमें  
 गंदगी नहीं फैलानी चाहिए।

4. उपसंहार - निष्कर्ष यह निकलता है कि भारत को  
 स्वच्छ रखो। हमें अपने देश को साफ - सुथरा रखना चाहिए  
 भारत को स्वच्छ रखने में मानक क्लब व्यूरो का  
 बहुत योगदान है। स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत में  
 भारतीय मानक व्यूरो (BIS) का बहुत योगदान है।

मन में रखो एक ही सपना  
 स्वच्छ बना रहे भारत अपना



स्वच्छ ही भारत अपना  
थी सपना है हमारा ॥

जब तक साँस चले  
तब तक रखो साफ-सफाई ॥

देश की बचाना है।  
गंदगी को हटाना है ॥

अस्वस्था से नदी धरना  
जिंदगी से स्वना टैरसा

31  
प्रधानाचार्य  
रा.उ.मा.वि. खोरण्डी  
(डीडवाना-कुचामन)